# संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-10 । अंक-3 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 23 जून 2026 से 29 जून 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

# पारदर्शिता के प्रहरी ही बने अंधे

## राज्य सूचना आयोग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे गंभीर सवाल..?

SPECIAL REPORT

✍नवीन गलकर

**भोपाल। 'सूचना का अधिकार' अधिनियम, जो नागरिकों के लिए पारदर्शिता का सबसे बड़ा हथियार माना जाता है, मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग के गलियारों में ही दम तोड़ता नजर आ रहा है। आलम यह है कि जो संस्था पूरे प्रदेश में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए बनी है, वह स्वयं अपने कार्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं, अधिकारियों की मनमानी और जवाबदेही से भागने की संस्कृति को लेकर सवालों के घेरे में है।**

आयोग की कार्यप्रणाली पर सबसे पहला प्रहार वहां के अधिकारियों के गैर-जिम्मेदाराना रवैये को लेकर हो रहा है। आवेदक द्वारा उठाए गए मुद्दों ने आयोग के 'डिजिटल' दावों की पोल खोल दी है। पोर्टल पर दर्ज लोक सूचना अधिकारी ज्योति मोडक का दूरभाष क्रमांक (0755-2556871) या तो 'अस्तित्व में नहीं है' की स्थिति में है या फिर कोई जवाब देने वाला नहीं है। यदि सरकारी पोर्टल पर दिए गए नंबर ही काम नहीं कर रहे हैं, तो आम नागरिक अपनी समस्या लेकर किसके पास जाए? क्या यह प्रशासनिक अक्षमता है या जानबूझकर की गई टालमटोल? इतना ही नहीं, आयोग के अन्य कर्मचारी भी सवालों के घेरे में हैं। एक मामले में लोक सूचना अधिकारी से संपर्क न हो पाने पर जब आवेदक ने इंदौर संभाग के नंबर पर बात की, तो वहां मौजूद कर्मचारी साहू मैडम ने पीआईओ के छुट्टी पर होने की जानकारी दी। हैरानी की बात यह है कि उस जानकारी की सत्यता पर भी अब गंभीर संदेह जताया जा रहा है, और आवेदक ने इसे रिकॉर्ड की जांच का विषय बना दिया है। वहीं, भोपाल संभाग के सुबोध जी से बात करने के बाद भी पीआईओ की ओर से कोई प्रतिक्रिया न आना, व्यवस्था में व्याप्त संवेदनहीनता को दर्शाता है। दरअसल राज्य सूचना आयोग की लोक सुचना अधिकारी ज्योति मोडक ने दो अलग-अलग आवेदन के जवाब में आवेदक को झूठी जानकारी दी। उसी के सम्बन्ध में आवेदक लोक सूचना अधिकारी से संपर्क करना चाह रहा था। वैसे झूठी जानकारी देने की शिकायत सूचना का अधिकार के प्रावधान के तहत आवेदक ने आयोग में कर दी है। पर देखना यह होगा की जो आयोग पुरे प्रदेश में सूचना का अधिकार के पालन हेतु नियुक्त है, क्या वह अपने ही कार्यालय के लोक सूचना अधिकारी ज्योति मोडक के विरुद्ध कार्यवाही करता है, या मामले को रफा दफा कर दिया जायेगा? जो आयोग दूसरों को जवाबदेह होने के लिए बाध्य करता है, क्या वह स्वयं जवाबदेह होने के लिए तैयार है?

राज्य सूचना आयोग की आधिकारिक वेबसाइट का हाल भी कम बुरा नहीं है। सुनवाई की स्थिति पोर्टल पर 'अपडेट' नहीं की जाती, जिससे अपीलकर्ता अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। साथ ही, वेबसाइट पर नवीनतम वार्षिक प्रतिवेदन का न होना यह साबित करता है कि आयोग स्वयं अपने कार्यों की पारदर्शिता को लेकर गंभीर नहीं है।

सबसे बड़ा सवाल राज्य मुख्य सूचना आयुक्त, विजय यादव की कार्यप्रणाली पर खड़ा हो रहा है। अपीलार्थी के द्वितीय अपील आवेदन को भोपाल संभाग ने राज्य सूचना आयोग के नियम का हवाला देकर पंजीयन करने से ही मना कर दिया। तब अपीलार्थी द्वारा भोपाल संभाग और राज्य मुख्य सूचना आयुक्त से कथित 'नियमों' के बारे में मार्गदर्शन मांगा गया, तो उन्हें केवल चुप्पी और असहयोग ही मिला। नियम का हवाला देकर अपील दर्ज करने से मना कर दिया गया, लेकिन जब उस 'नियम' की विस्तृत जानकारी मांगी गई, तो आयोग ने कोई जवाब देना उचित नहीं समझा। क्या मुख्य सूचना आयुक्त महोदय को अपनी उस शपथ की याद है, जो उन्होंने पद ग्रहण करते समय ली थी? सवाल यह है की क्या भोपाल संभाग द्वारा बताया गया नियम वाकई अस्तित्व में हैं? राज्य सूचना आयोग को जवाब देना चाहिये।

आयोग की कार्यप्रणाली पर सबसे बड़ा कटाक्ष यह है कि नागरिकों की सुविधा के लिए विकसित 'ऑनलाइन पोर्टल' का लाभ आयोग स्वयं नहीं उठाना चाहता।

**( शेष पृष्ठ 5 पर )**

## सुविचार

**'हर अजनबी में एक सबक छिपा होता है, बस देखने की नज़र चाहिए।'**

## संपादकीय

# पैदल यात्रियों का हक

जब सुप्रीम कोर्ट यह कहता है कि सुरक्षित और तयशुदा फुटपाथ पर चलना आम व्यक्ति का मौलिक अधिकार है, तो इसके खास मायने हैं। अदालत उस हकीकत की ओर नीति-नियंताओं का ध्यान दिलाती है, जिसे अब तक भारतीय शहरों के नियोजन में नजरअंदाज किया गया। निश्चित रूप से सड़कों पर पहला हक लोगों का है, बाद में गाड़ियों का। सही मायने में कोर्ट ने पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों को जीवन, आजादी और कहीं भी आने-जाने की गारंटी से जोड़कर सार्थक पहल की है। अदालत ने इस तरह नागरिक जीवन की एक बुनियादी जरूरत को सार्वजनिक जवाबदेही का मुद्दा बना दिया है। यह एक हकीकत है कि देश के करोड़ों भारतीयों के लिये पैदल चलना रोजमर्रा की जरूरत है, न कि जीवनशैली का विकल्प। इनमें तमाम स्कूल जाने वाले बच्चे, बाजार जाने वाले बुजुर्ग, कम दूरी तक आने-जाने वाले कामगार और दिव्यांग लोग शामिल हैं, जिनके लिये सुरक्षित पैदल यात्रा जीवन की एक सुविधा है। यह विडंबना ही है कि अक्सर रेहड़ी-खोमचे वाले, गलत तरीके से सड़कों में खड़ी गाड़ियां और निर्माण कार्य से जुड़ा मलबा पैदल यात्रियों के रास्ते पर अतिक्रमण कर देता है। यही वजह है कि पैदल यात्रियों को व्यस्त सड़कों पर चलने के लिये मजबूर होना पड़ता है। जिससे अकसर उनका जीवन खतरे में पड़ सकता है। कोर्ट ने सख्त शब्दों में कहा है कि गाड़ी चलाने वाले पैदल चलने वाले लोगों के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। सही मायने में यह टिप्पणी वाहन केंद्रित शहरी नियोजन की सोच पर सीधे प्रहार करती है। यह विडंबना ही है कि शहरी सड़क परियोजनाओं में ट्रैफिक के प्रवाह को प्राथमिकता दी गई है। वहीं फुटपाथ को गैर जरूरी माना गया है। इसकी ही वजह से अकसर होने वाले सड़क हादसों का शिकार पैदल यात्रियों को होना पड़ता है। इसी दोषपूर्ण नीति के चलते ही लगातार पैदल चलने की जगह सिमटती रही है और सड़क हादसों में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ती रही है। सड़क परिवहन मंत्रालय की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि सड़क हादसों में इस साल 36,526 पैदल यात्रियों की मौत हुई है। मरने वालों का यह आंकड़ा सड़क दुर्घटना में मरने वाले लोगों की संख्या का 20.26 प्रतिशत है। यही वजह है कि कोर्ट को पैदल चलने वाले लोगों के अधिकार की सुरक्षा के लिये एक कानूनी ढांचा बनाने पर जोर देना पड़ा है। वास्तव में पैदल यात्रियों की रक्षा के लिये कानून तो पहले से ही हैं, मगर ये बिखरे हुए हैं। यदि एक व्यापक कानून बनता है तो फुटपाथ के डिजाइन, यात्रियों की पहुंच, फुटपाथों के रखरखाव और जवाबदेही के लिये मानकों का निर्धारण संभव हो सकेगा। इस संकट के समाधान के लिये नगर निकायों को अतिक्रमण-रोधी नियमों को सख्ती से लागू करना सुनिश्चित करना चाहिए। वास्तव में तभी कोई शहर सचमुच आधुनिक बनता है, जब वह ज्यादा कारों को जगह देने के बजाय हर आम नागरिक को सुरक्षित और सम्मान के साथ चलने की सुविधा प्रदान करता है। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट ने रास्ता दिखा दिया है, अब सरकारों का काम उस पर चलना है।

### मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर भाजपा किसान मोर्चा द्वारा प्रदेशव्यापी प्राकृतिक खेती कार्यशालाओं का सफल आयोजन

# मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश के 62 जिलों में हजारों किसानों ने लिया भाग

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी एवं भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देशानुसार तथा भाजपा किसान मोर्चा मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा के नेतृत्व में प्रदेशभर में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर प्राकृतिक खेती कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इन कार्यशालाओं में किसानों का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला।

प्रदेश के सभी 62 जिलों में दो-दो स्थानों पर आयोजित कार्यशालाओं में हजारों किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक तकनीकों से अवगत कराना तथा उन्हें कम लागत और अधिक लाभ वाली कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा ने बताया कि कार्यशालाओं में कृषि वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों एवं प्राकृतिक खेती में सफलता प्राप्त कर चुके किसानों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने किसानों को जैविक संसाधनों के उपयोग, भूमि की उर्वरता संरक्षण, उत्पादन लागत में कमी तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रदेशभर में आयोजित इन कार्यक्रमों में प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक, भाजपा जिला अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रमों के दौरान प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों का सम्मान भी किया गया। इस अभियान के अंतर्गत भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा अशोकनगर में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला में शामिल हुए एवं किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल 20 जून को बैतूल में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला में शामिल होकर किसानों को संबोधित करेंगे।

साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी देने के लिए प्रदर्शनी लगाई गई, जिससे किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने संबंधी उपयोगी जानकारी मिली। श्री चावड़ा ने कहा कि किसानों की बड़ी संख्या में सहभागिता यह दर्शाती है कि प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। भाजपा किसान मोर्चा प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो, खेती की लागत कम हो तथा पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिले। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने वाले सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कृषि विशेषज्ञों एवं किसानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अभियान प्रदेश में प्राकृतिक खेती के विस्तार और किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

# योगा डे पर इंदौर में बना एशिया बुक रिकॉर्ड

## १० हजार लोगों ने एक साथ किया भ्रामरी प्राणायाम

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

**नगर निगम इंदौर द्वारा संचालित योग मित्र अभियान के अंतर्गत हर साल की तरह इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर गौपुर चौराहे पर योग का भव्य आयोजन किया गया. महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में इंदौर ने एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापित करते हुए एक साथ 10 हजार योग साधकों द्वारा भ्रामरी प्राणायाम कर एशिया बुक रिकॉर्ड बनाया. यह रिकॉर्ड 3 मिनट 19 सेकंड का रहा.**

### म्यूजिकल योग की हुईं प्रस्तुतियां

विश्व योग दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत सुबह ठीक 6 बजे हुई. इस दौरान विभिन्न योग साधकों द्वारा म्यूजिकल योग प्रस्तुतियां दी गईं. योग प्रशिक्षक चेतना जोशी तिवारी ने मौजूद साधकों को योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों द्वारा योग मित्र अभियान की अधिकृत वेबसाइट का भी शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर योग एवं समाजसेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए वरिष्ठ समाजसेवी प्रेम गोयल, राम गोपाल व्यास और सपना पाल को 'योग अलंकरण सम्मान' से सम्मानित किया गया.

### 'योग इंसान को छोटे से बड़े बनने की देता है प्रेरणा'

योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने अपने संबोधन में कहा कि 'हम सभी भाग्यशाली हैं कि हमारा जन्म भारत की पुण्य भूमि पर हुआ है. हमारे पूर्वजों ने हमें दिव्य परंपराएं और संस्कार वरदान के रूप में दिए हैं. आज दुनिया के 151 देशों में भारत की ऋषि परंपरा का योग के माध्यम से विस्तार हो रहा है. योग व्यक्ति को लघु से विराट बनने की प्रेरणा देता है व पुरुषोत्तम बनने का शाश्वत मार्ग प्रदान करता है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली है और देश-प्रदेश में व्यापक स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. योग के माध्यम से हम स्वयं को विकसित कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकते हैं. वर्ष 2047 तक भारत को विश्व का नंबर एक राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने में योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.'

### विजयवर्गीय बोले-योग भारत की अमूल्य पूंजी

इस दौरान कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि 'योग भारत की अमूल्य पूंजी है. भारत के ऋषि-मुनियों ने अपने तप और साधना के माध्यम से इस महान विद्या को प्राप्त किया है. उन्होंने कहा कि लगभग 1 हजार वर्षों की गुलामी के कालखंड में हम अपनी योग परंपरा से दूर हो गए थे, जबकि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि शरीर, मन, आत्मा और बुद्धि का एकीकरण है. उन्होंने कहा कि जब मनुष्य योग के वास्तविक स्वरूप को समझ लेता है तो उसका ईश्वर से साक्षात्कार संभव हो जाता है.

### पीएम मोदी ने योग को दी अंतराष्ट्रीय पहचान

योग आत्मिक उन्नति का सबसे सरल और प्रभावी मार्ग है. विजयवर्गीय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करने का कार्य किया है, जिसके परिणामस्वरूप आज विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया जाता है और करोड़ों लोग योग को अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं. योग मित्र अभियान के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम न केवल इंदौर की एक बड़ी उपलब्धि रहा, बल्कि योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ. इंदौर द्वारा स्थापित यह विश्व कीर्तिमान शहर के लिए गौरव का विषय बन गया है.'

### इंदौर ने बनाया भ्रामरी प्राणायाम का रिकॉर्ड

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर देश में नंबर वन 85 वार्डों में 140 स्थान पर 10000 से ज्यादा लोग रोज सुबह योग करते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से दुनिया को एक सूत्र में बांधने के लिए 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित हुआ. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर इंदौर में भ्रामरी प्राणायाम 3 मिनट से ज्यादा समय करके विश्व कीर्तिमान बनाया है, यह कीर्तिमान मैं प्रधानमंत्री को समर्पित करता हूं और इंदौर की जनता को धन्यवाद देता हूं कि आपसी प्रेम सौहार्द और जन भागीदारी का योग जो हम करते हैं.'

# आज़ाद अलंकरण समारोह में सामाजिक संस्था त्रिनेत्रम सामाजिक वेलफेयर सोसाइटी का हुआ सम्मान

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

अद्भुत फाउंडेशन एनजीओ द्वारा आयोजित 'आज़ाद अलंकरण समारोह-5' का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों, कलाकारों और प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने समाजहित में कार्य करने वाले लोगों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और नई पीढ़ी को प्रेरित करने का कार्य करते हैं। समारोह में संत अनंत महंत जी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सीमा अलावा, समाजसेवी गोलू शुक्ला ओर सिक्का कॉलेज की प्राचार्या डॉ गुंजन शुक्ला, जया भावसार सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया। इस अवसर पर नादयोग संस्थान के विद्यार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। अतिथियों ने कलाकारों की प्रतिभा और समर्पण की सराहना की। समारोह में त्रिनेत्रम सामाजिक वेलफेयर सोसाइटी के हर्षल चौहान और सुनील ठाकुर को भी उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। आयोजक सिद्धार्थ शर्मा ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज में सकारात्मक कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। सम्मान प्राप्त होने पर संस्था के गोपाल सिंह परिहार ,संजू मीणा, प्रदीप नायक,राहुल शेखावत,नरेंद्र चौहान,पवन अग्रवाल,मनोज देवड़ा सुमित जाटव, संदीप पचोरिया उपस्थित हुए।

# अब कैमरों की निगरानी में रहेगा इंदौर, चप्पे-चप्पे पर रहेगी तीसरी नजर

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

मध्य प्रदेश के आर्थिक शहर इंदौर की सुरक्षा को लेकर नगर निगम ने सीसीटीवी सर्विलांस की योजना बनाई है। पिछले तीन साल से कागजों में चल रही योजना अब जल्द ही मूर्तरूप लेगी, क्योंकि निगम के आइटी विभाग ने पूरे शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाने के टेंडर जारी कर दिए हैं। दावा है कि, सीसीटीवी कैमरे लगने से शहर में बढ़ते अपराध का ग्राफ कम होगा। साथ ही, पुलिस को अपराधियों को पकड़ने में आसानी होगी।

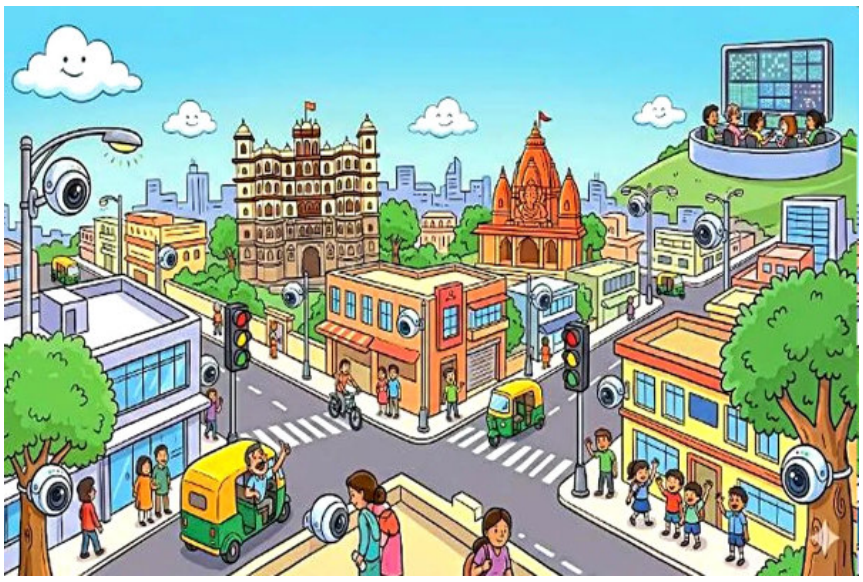

महापौर पुष्यमित्र भार्गव की मंशा पर निगम के आइटी विभाग ने सीसीटीवी सर्विलांस की योजना शहर की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाई है। जनता की मदद यानी जन भागीदारी से सीसीटीवी कैमरे लगाने की ये योजना है, ताकि ऐसा करने वाला इंदौर देश का पहला शहर बन जाए। सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए मेयर - इन - कौसिंल (एमआइसी) में संकल्प पारित होने के साथ परिषद से भी मंजूरी मिल गई है। योजना के चलते निगम शहर के उन एरिया में खुद कैमरे लगवाएगा, जहां पर गरीब वर्ग के लोग रहते हैं और कैमरे नहीं लगा सकते। ऐसे 12 हजार से अधिक स्थानों पर कैमरे लगाने का कार्य निगम करेगा। बाकी जगह निगम जनता का सहयोग लेकर कैमरे लगवाएगा।

## सरकार से मंजूरी

परिषद की बैठक में कैमरे लगाने का प्रस्ताव मंजूर होने के बाद निगम ने नियम-कायदे बनाकर मंजूरी के लिए राज्य सरकार को भेजे हैं, ताकि सरकार ने सीसीटीवी कैमरे लगाने को लेकर बनाए नियमों को मंजूरी दे दी है। इसके चलते पिछले तीन साल से कागजों में चल रही योजना अब जल्द ही मूर्तरूप लेगी, क्योंकि निगम के आइटी विभाग ने पूरे शहर में नियमों को स्वीकृति मिलने साथ गजट नोटिफिकेशन हो जाए और सीसीटीवी कैमरे लगवाने का काम शुरू हो सके, लेकिन राज्य सरकार ने पुलिस से अभिमत मांग लिया। पुलिस के अभिमत न देने से शहर की सुरक्षा को लेकर बनी योजना लंबे समय तक अटकी पड़ी रही।

## जिस एजेंसी को टेंडर मिलेगा वही करेगी रखरखाव

महापौर भार्गव ने अभिमत न मिलने की बात से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इसके बाद मामले में तेजी आई और पुलिस ने भी अपना अभिमत दे दिया। पुलिस का अभिमत मिलने के बाद राज्य सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। टेंडर अगले महीने जुलाई में आएगे और खुलेंगे। जिस एजेंसी को ठेका मिलेगा, उसे ही शहर के लिए सीसीटीवी सर्विलांस योजना की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, संचालन और रखरखाव को लेकर मास्टर सिस्टम इंटीग्रेटर (एमएसआई) का काम करना होगा।

## हैदराबाद को देखकर बनाई जा रही योजना

गौरतलब है कि शहर का ऐसा क्षेत्र जहां पर 100 से अधिक लोगों का आना - जाना होता हो, वहां सीसीटीवी कैमरे लगाना जरूरी होगा। हैदराबाद ने ये कार्य किया है। इसे देखकर ही इंदौर में कैमरे लगाने की योजना बनाई गई है।

## बनेगा सेंट्रलाइज कमांड सेंटर, वसूलेंगे जुर्माना

सार्वजनिक रूप से या फिर खुले में कचरा-गंदगी करने वाले लोगों के खिलाफ निगम जिस तरह कार्रवाई करता है, उसी तरह सीसीटीवी कैमरों को लेकर बनाए गए नियमों में भी यही किया गया है। यदि किसी व्यक्ति का सीसीटीवी कैमरा बंद है या फिर जानबूझकर बंद रखा जाता है तो उस व्यक्ति के खिलाफ चालान बनाकर जुर्माना वसूल किया जाएगा। कैमरे लगाने के साथ एक सेंट्रलाइज कमांड सेंटर बनेगा। इसमें सभी सीसीटीवी का फीडबैक दिखाई देगा। साथ ही यह भी दिखाई देगा कि कौन सा कैमरा बंद है।


# संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

## अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

■समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
■ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
■ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
■हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
■हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
■जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
■यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
■अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
■हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

## विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार
सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते
भारत माता की जय वंदे मातरम

# 101 करोड़ में तैयार हुआ एमपी का पहला एयर कंडीशनर बस स्टैंड, डेढ़ साल से खा रहा धूल

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

करीब 101 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ मध्य प्रदेश का पहला वातानुकूलित आइएसबीटी इंदौर के कुमेड़ी में अब भी धूल खा रहा है। करीब डेढ़ साल पहले बस स्टैंड का नोटिफिकेशन हो चुका है, लेकिन चालू करने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं हो रहे है। आइडीए ने बनाया, लेकिन चालू करने के लिए प्रशासन और आरटीओ की ओर निगाहे हैं। आरटीओ ध्यान ही नहीं दे रहा है।

करीब एक महीने पहले आइएसबीटी को लेकर ट्रेवल्स संचालकों की बैठक आइडीए में हुई थी। ट्रेवल्स संचालक अपनी बसें सरवटे बस स्टैंड या बीच शहर में दूसरी जगह से चलाते हैं, लेकिन वे आइएसबीटी आने को तैयार नहीं हुए। डेढ साल पहले आइएसबीटी का निर्माण पूरा हो चुका है। जनवरी 2025 में आरटीओ ने आइएसबीटी को बस स्टैंड का दर्जा देने के लिए नोटिफिकेशन करा दिया है। इसके बाद जल्द बस स्टैंड का संचालन शुरू होना चाहिए, लेकिन डेढ़ साल बाद भी नहीं हो पाया है।

### सूख रही हरियाली

आइएसबीटी में तमाम काम के साथ ही हरियाली के लिए पौधे लगाए गए थे। पौधों की देखरेख नहीं से सूख गए हैं। पिछले दिनों इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

### IDA का तर्क : हमने काम पूरा किया, अब प्रशासन-RTO जाने

आइडीए सीइओ डॉ. परीक्षित झाड़े का कहना है कि आइडीए ने निर्माण पूरा कर दिया है, अब जिला प्रशासन व आरटीओ को संचालन करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। बस स्टैंड का संचालन शुरू होना चाहिए, लेकिन डेढ़ साल बाद भी नहीं हो पाया है।

### RTO का जवाब : एक और बैठक होगी, फिर करेंगे सख्ती

आरटीओ प्रदीप शर्मा ने कहा, बस स्टैंड का नोटिफिकेशन हो गया है, ट्रेवल्स संचालक बसें चलाने को तैयार नहीं हैं। कलेक्टर के निर्देशन पर ट्रेवल्स संचालकों की बैठक बुलाएंगे। अगर नहीं माने तो फिर सख्ती की जाएगी।

### अब तक एजेंसी का अनुबंध नहीं

आइडीए ने बस स्टैंड संचालन के लिए टेंडर निकाले। पांचवीं बार निकाले गए टेंडर के आधार पर पुणे की एजेंसी को संचालन का काम दिया गया है। मार्च अंत में हुई बजट बैठक में इस एजेंसी को संचालन का काम देना तय हुआ था, लेकिन अभी तक एजेंसी के साथ अनुबंध ही नहीं हो पाया है। हालांकि, अफसरों का कहना है कि जल्द अनुबंध किया जाएगा।

# राज्य सूचना आयोग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे गंभीर सवाल

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

आवेदक पोर्टल के माध्यम से आर.टी.आय. आवेदन लगाते हैं और अपेक्षा करते हैं कि उत्तर भी डिजिटल रूप में उसी पोर्टल पर उपलब्ध हो, ताकि प्रक्रिया पारदर्शी और सुलभ बनी रहे। इसके बावजूद, आयोग के जिम्मेदार अधिकारी ऑनलाइन उत्तर देने की सुविधा उपलब्ध होने के बाद भी जानबूझकर डाक के माध्यम से जवाब भेजते हैं। यह पुरातनवादी सोच डिजिटल इंडिया के दावों को पलीता लगा रही है और आवेदक को अनावश्यक विलंब का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर सरकार 'डिजिटल इंडिया' की बात करती है, वहीं दूसरी ओर आयोग के अधीनस्थ कार्यालय नागरिकों को आज भी कागजी कार्यवाही के पुराने ढर्रे में धकेल रहे हैं।

'प्रदेश के मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति करने वाली उच्च स्तरीय चयन समिति मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का ध्यान आयोग के इस 'डिजिटल अंधकार' और मनमानी की ओर जाएगा? नागरिकों को अब इनसे अपेक्षा है कि वे हस्तक्षेप कर यह सुनिश्चित करें कि पारदर्शिता की सर्वोच्च संस्था स्वयं जवाबदेही के दायरे में आए, अन्यथा 'सूचना के अधिकार' का मखौल उड़ना जारी रहेगा।'

## मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र : स्वस्थ मन, उज्ज्वल भविष्य

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

आरोग्य संगम एवं एनएमआईएमएस इंदौर के विद्यार्थियों द्वारा माता सावित्रीबाई फुले पाठशाला के बच्चों के लिए एक विशेष मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाना तथा उसके लाभों का व्यावहारिक प्रदर्शन करना था। इस सत्र के दौरान बच्चों को खेल, गतिविधियों और संवादात्मक तरीकों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच तथा भावनात्मक संतुलन के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और नई-नई बातें सीखीं। इस पहल से बच्चों के भीतर आत्मविश्वास, जागरूकता और स्वयं को बेहतर ढंग से समझने की भावना विकसित हुई। इस अवसर पर दुर्गेश मंसूरिया भी उपस्थित रहे। सत्र में बच्चों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह ने इसे अत्यंत सफल एवं प्रभावशाली बनाया। इस कार्यक्रम का संचालन एनएमआईएमएस इंदौर के विद्यार्थियों—नीव मेठी, मन गोधा, नमन तोषनीवाल, अरिन जैन, वत्सल गुप्ता, आन्या गुप्ता एवं तृप्ति पाटीदार—द्वारा किया गया। सभी प्रतिभागियों ने बच्चों के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित करते हुए उन्हें मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का सराहनीय प्रयास किया।

# मंत्री विजयवर्गीय एक कार्यक्रम में बोले- हम काफिर है तो हमारी बनाई सड़क पर मत चलो

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कहा कि जिस मोहल्ले में सड़क बन रही है, वहां हिंदू और मुस्लिम दोनों भाई रहते हैं। उन्होंने कहा कि कई मुस्लिम कार्यकर्ता हमसे कहते हैं कि वे भाजपा को वोट नहीं देते। यदि ऐसा है तो फिर हम जो सड़क बना रहे हैं, उस पर मत चलना। आपके घर लाड़ली लक्ष्मी और लाड़ली बहना योजना का पैसा आ रहा है तो उसे भी मत लो। विजयवर्गीय के इस बयान की राजनीतिक हलकों में चर्चा है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा किसी के साथ भेदभाव नहीं करती। हम 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के भाव से काम करते हैं। हमारे संगठन और सरकार की यही नीति है। आप वोट देंगे तो हम और अधिक दिल लगाकर काम करेंगे, नहीं देंगे तो भी हम काम जरूर करेंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य तेज गति से हो रहे हैं। सड़कें चौड़ी की जा रही हैं। पेयजल और सीवरेज लाइनों का जाल भी बिछाया जा रहा है। उन्होंने चंदन नगर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 1 में पौने दो करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इस मौके पर भाजपा के नेता और जनप्रतिनिधि मौजूद थे। एक अन्य कार्यक्रम में उन्होंने शहर में पानी वितरण करने वाले नगर निगम के टैंकर चालकों का सम्मान भी किया। इसके अलावा वे विधानसभा क्रमांक 1 की सभी आंगनवाड़ियों में सांसद निधि से बोरिंग कराने और फर्नीचर भेंट करने के कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने एक बच्ची का जन्मदिन भी मनाया।

# सरकारी खर्च घटाने की कवायद तेज, बैठकों के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जरूरी; बाहर जाने से पहले मंजूरी आवश्यक

■ भोपाल । संभाग पोस्ट

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और प्रधानमंत्री के आह्वान को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने शासकीय कार्यालयों में मितव्ययता अपनाने तथा आमजन को संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सभी विभागाध्यक्षों और कलेक्टरों को भेजे गए निर्देशों में सरकारी खर्चों में कमी, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया है। निर्देशों के अनुसार विभागीय बैठकों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सेमिनारों का आयोजन यथासंभव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग अथवा हाइब्रिड मोड में किया जाएगा, ताकि अनावश्यक यात्राओं और व्यय को कम किया जा सके। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालय आने-जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

### राज्य के बाहर की यात्रा के लिए सीएस की स्वीकृति अनिवार्य

प्रदेश के बाहर होने वाली सरकारी यात्राओं पर भी नियंत्रण रखा जाएगा। अधीनस्थ अधिकारियों की बाह्य राज्य यात्राएं केवल अत्यावश्यक परिस्थितियों में स्वीकृत होंगी, जबकि सचिव स्तर के अधिकारियों की राज्य से बाहर की यात्राओं के लिए मुख्य सचिव की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी। सरकार ने कृषि, उद्यानिकी और संबद्ध विभागों को प्राकृतिक खेती को जन-अभियान के रूप में आगे बढ़ाने तथा रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग के लिए किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। वहीं खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) नेटवर्क के विस्तार में तेजी लाने तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और एलपीजी कनेक्शनों में डुप्लीकेट एवं अपात्र लाभार्थियों की पहचान कर कार्रवाई करने को कहा गया है।

### ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण को लेकर अभियान चलाने निर्देश

निर्माण कार्यों से जुड़े विभागों को पर्यावरण अनुकूल निर्माण सामग्री के उपयोग को बढ़ावा देने और इसके प्रति आमजन में जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सभी सरकारी विभागों को प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने और ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा गया है। जनसंपर्क विभाग को 'मेरा भारत-मेरा योगदान' अभियान चलाकर नागरिकों को ऊर्जा बचत, पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रेरित करने का दायित्व सौंपा गया है। पर्यटन विभाग को 'देखो अपना देश' अभियान के तहत प्रवासी भारतीयों को मध्यप्रदेश और भारत में ही अवकाश बिताने के लिए प्रोत्साहित करने तथा इसके लिए 'फ्रेंड्स ऑफ एमपी' सहित विभिन्न संगठनों का सहयोग लेने के निर्देश दिए गए हैं। खनिज साधन विभाग को लिथियम, कोबाल्ट, रेयर अर्थ, कॉपर और कोयले जैसे महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित अनुमतियों और लीज स्वीकृतियों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र मंजूरी देने को कहा गया है, ताकि देश की आयात पर निर्भरता कम हो सके और आत्मनिर्भरता को मजबूती मिले।

### प्रमुख बिंदु

- मोहन यादव सरकार का बड़ा फैसला
- वरिष्ठ अधिकारियों के खर्चों पर लगाई लगाम
- जीएडी ने जारी किया सर्कुलर
- एसीएस से कलेक्टरों तक पर लागू होंगे निर्देश
- प्रदेश के बाहर दौरे पर पाबंदी
- बिना अनुमति प्रवास पर रोक
- निजी होटलों में नहीं ठहर सकेंगे अधिकारी

# इंदौर में डीजल की होम डिलीवरी हुई शुरू
# जिप्प फ्यूल के माध्यम से घर बैठे मिलेगा इर्धन

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

मध्यप्रदेश में पहली बार डीजल की डोरस्टेप डिलीवरी सेवा 'जिप्प फ्यूल' की शुरुआत इंदौर से की गई है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकृत डीलर द्वारा पलसीकर कॉलोनी स्थित पेट्रो फिलिंग स्टेशन से शुरू की गई यह सेवा उपभोक्ताओं को घर, खेत, फैक्ट्री और कार्यस्थल तक सुरक्षित तरीके से डीजल पहुंचाएगी। इंदौर पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पेट्रो फिलिंग स्टेशन संचालक राजेंद्र सिंह वासु ने बताया कि इस सेवा का औपचारिक शुभारंभ 19 जून को किया गया। उन्होंने दावा किया कि यह न केवल इंदौर बल्कि पूरे मध्यप्रदेश की पहली 'जिप्प फ्यूल' डोरस्टेप डीजल डिलीवरी सेवा है।

अब डीजल के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर

हाल ही में डीजल वितरण संबंधी नियमों को सख्ती से लागू किए जाने के बाद केवल ईंधन (पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन) द्वारा अनुमोदित कंटेनरों में ही डीजल देने की व्यवस्था लागू की गई थी। इसके चलते जनरेटर संचालकों, किसानों, निर्माण कंपनियों और औद्योगिक इकाइयों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसी समस्या के समाधान के लिए शुरू की गई 'जिप्प फ्यूल' सेवा के तहत ग्राहकों को निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप विशेष सेफ्टी कैन में डीजल उपलब्ध कराया जाएगा।

### व्हाट्सएप से होगा ऑर्डर

सेवा का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को 8839818718 नंबर पर उपलब्ध ऑटोमेटिक व्हाट्सएप चैटबॉट के माध्यम से ऑर्डर करना होगा। चैटबॉट के जरिए ग्राहक डीजल की मात्रा, डिलीवरी का स्थान, समय और भुगतान का विकल्प चुन सकेंगे। इससे पूरी प्रक्रिया डिजिटल और पारदर्शी बनेगी। शुरुआती चरण में यह सुविधा इंदौर शहर के अधिकांश क्षेत्रों में उपलब्ध रहेगी। संचालकों के अनुसार ऑर्डर मिलने के बाद दूरी और मांग के आधार पर अधिकतम चार घंटे के भीतर डीजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

### सुरक्षा का रहेगा पूरा ध्यान

डिलीवरी के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों में प्रमाणित माप उपकरण लगाए गए हैं। इनमें पांच लीटर क्षमता का कैलिब्रेटेड माप यंत्र भी शामिल है, जिससे ग्राहकों को ऑर्डर की गई डीजल की सटीक मात्रा प्राप्त होगी। राजेंद्र सिंह वासु का कहना है कि बढ़ती शहरी जरूरतों और सुविधा आधारित सेवाओं की मांग को देखते हुए यह पहल भविष्य में डीजल वितरण का नया मॉडल साबित हो सकती है।

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिक: 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पता: हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

AFSL SERVICES INDIA LLP
Registered Under Ministry of Corporate Affairs & MSME, Govt of India
An ISO 9001: 2015 Certified Forensic Science Laboratory, LLPIN: ACN-6724
FORENSIC SCIENCE SERVICES
Scientific Assistance Towards Justice
• Crime Scene Investigation
• Handwriting, Signature & Documents Examination
• Fingerprint Examination
• Audio & Video Examination
• Voice Examination
• Computer/Cyber Crime Investigation
• Fire & Arson Investigation
• Insurance Fraud Investigation
• 65B IEA Certificate [63(4)(c) BSA]
• Cross Examination of forensic experts and reports
• Forensic Training & Internship
• Medicolegal Consultancy
• Photography Examination
• Forensic Consultancy.
www.appliedforensicresearchsciences.in

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा
बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर मो

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

# मध्य भारत का सबसे बड़ा आईटी सेंटर, 22 मंजिल भवन में दुनिया की शीर्ष कंपनियां आएंगी

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में आईटी और डिजिटल सेक्टर के विस्तार के लिए आधुनिक ऑफिस इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का काम तेजी से चल रहा है। मध्यप्रदेश औद्योगिक केंद्र विकास निगम द्वारा विकसित किए जा रहे आईटी पार्क-3 और आईटी पार्क-4 में निर्माण कार्य अंतिम चरणों में पहुंच रहा है।

### आईटी पार्क-3 का भवन 22 मंजिला

इस परियोजना में 22 मंजिल भवन बन रहा है। यहां लगभग 11 लाख वर्गफीट निर्मित क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 557 करोड़ रुपए है और अब तक 394 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। करीब 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। यहां एसटीईपी, बाउंड्रीवॉल और वाटर टैंक सहित अन्य सुविधाओं का काम भी जारी है। दिसंबर 2026 तक प्रोजेक्ट पूरा होने की संभावना है। 22 मंजिला यह भवन मध्य भारत का सबसे ऊंचा आईटी पार्क भवन होगा। इसे आधुनिक और इंटीग्रेटेड आईटी परिसर के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां करीब 10 हजार लोग काम कर सकेंगे। यह निर्माणाधीन आईटी पार्क ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित किया जा रहा है जो 11.25 लाख वर्गफीट के कुल निर्मित क्षेत्रफल के साथ मध्य भारत का सर्वश्रेष्ठ आईटी पार्क बनने जा रहा है।

### आईटी पार्क-4 का काम भी अंतिम चरण में

दूसरी ओर आईटी पार्क-4 में 9 मंजिला भवन विकसित किया जा रहा है। इसमें करीब 1 लाख वर्गफीट निर्मित क्षेत्र होगा और इसकी लागत 47 करोड़ रुपए है। प्रोजेक्ट का करीब 90 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इस बिल्डिंग को जून महीने में लीज के लिए शुरू किया जाएगा। आईटी पार्क-4 का उद्देश्य भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक और विश्वस्तरीय कार्यालय अधोसंरचना उपलब्ध कराना है।

### मध्यप्रदेश को आईटी का केंद्र बना रहे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस सप्ताह निर्माणाधीन आईटी पार्क-3 का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी आईटी और सेवा क्षेत्र का केंद्र बनाने का हमारा संकल्प है। उज्जैन-इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन इस परिवर्तन का ग्रोथ इंजन बनेगा। आईटी पार्क-3, आईटी पार्क-4, आईटी पार्क उज्जैन, इंदौर-पीथमपुर इकोनामिक कॉरिडोर और निजी क्षेत्र की परियोजनाएं मिलकर एक ऐसा आधुनिक इकोसिस्टम तैयार करेंगी जो मध्यप्रदेश को डिजिटल अर्थव्यवस्था की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर को हम मध्यप्रदेश के आईटी और सेवा क्षेत्र की विकास राजधानी के रूप में विकसित कर रहे हैं। आने वाले वर्षों में यहां विकसित होने वाला आईटी पार्कों का समग्र इकोसिस्टम प्रदेश को नई आर्थिक गति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि विकसित किए जा रहे आईटी पार्क प्रदेश को आईटी, ग्लोबल केपीबिलिटी सेंटर और सेवा क्षेत्र का प्रमुख केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इन परियोजनाओं के माध्यम से मध्यप्रदेश में एक सुदृढ़ और भविष्य उन्मुख डिजिटल अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जा रहा है।

### आईटी पार्क-3

80 प्रतिशत निर्माण कार्य आईटी पार्क-3 का पूरा हो चुका है।

557 करोड़ रुपए आईटी पार्क-3 प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत है।

394 करोड़ रुपए आईटी पार्क-3 पर अब तक खर्च किए जा चुके हैं।

10 हजार लोग इस आधुनिक और इंटीग्रेटेड आईटी परिसर में काम कर सकेंगे।

22 मंजिला यह भवन मध्य भारत का सबसे ऊंचा आईटी पार्क भवन होगा।

11 लाख वर्गफीट निर्मित क्षेत्र आईटी पार्क-3 में विकसित किया जा रहा है।

11.25 लाख वर्गफीट कुल निर्मित क्षेत्रफल के साथ आईटी पार्क-3 मध्य भारत का सर्वश्रेष्ठ पार्क बनेगा।

### आईटी पार्क 4

9 मंजिला भवन आईटी पार्क-4 में विकसित किया जा रहा है।

47 करोड़ रुपए आईटी पार्क-4 प्रोजेक्ट की कुल लागत है।

1 लाख वर्गफीट निर्मित क्षेत्र आईटी पार्क-4 के अंतर्गत तैयार होगा।

90 प्रतिशत निर्माण कार्य आईटी पार्क-4 का पूरा हो चुका है।

केरल से इंदौर पधारे अनुभवी नाड़ी वैद्य श्री अर्जुन राज जी द्वारा पुराने रोगों का परीक्षण निशुल्क करने पर

# इंदौर के भाजपा सांसद प्रतिनिधि डॉ. संतोष वाधवानी ने किया 'मालवा पगड़ी' एवं अंग वस्त्र से किया सम्मानित

**संस्था पितृश्वर के सर्वेसर्वा, समाजसेवी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री सुनील गुप्ता जी और उनकी टीम द्वारा, मानव सेवा में किया जा रहे हैं निरंतर कार्य की हुई ( सहाराना ), संस्था का एक ही लक्ष्य ( मानव सेवा परमो धर्मः )**

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

दिनांक 20 जून से 22 जून 2026 तीन दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिवर आयोजित किया गया है जिसका समय दोपहर 3:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक अपोलो टावर 2 एमजी रोड पर जिसमें आयुर्वेद के अनुभवी वैद्य श्री अर्जुन राज जी केरल वैध सफेद दाग, चर्म रोग, पेट रोग, वात पित्त, गुर्दा रोग,लकवा, के साथ सैकड़ो पुराने रोगों का परीक्षण निशुल्क परामर्श प्रदान किया जा रहा है, श्री वाधवानी ने इस पुनीत कार्य के लिए संस्था पित्रेश्वर के अध्यक्ष श्री सुनील गुप्ता जी की सराहना करते हुए कहा कि, यही पितृ सेवा और ईश्वरीय सेवा है, उन्होंने पूरी टीम के मंगलमय की कामना ईश्वर से की, इस शुभ अवसर पर टीम, के मुख्य सूत्रधारों का परिचय भी प्राप्त किया।

### अवैध मदिरा परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

# 69.48 बल्क लीटर मदिरा एवं मोटर साइकिल जब्त, बाल अपचारी बाल सुधार गृह भेजा गया

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेशानुसार एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशों के तहत आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध सतत अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में सहायक जिला आबकारी अधिकारी (एडीईओ) श्री राघवेंद्र सिंह कुशवाह, श्री जहांगीर खान तथा वृत्त पलासिया एवं वृत्त बालदा कॉलोनी की टीम द्वारा 20 जून 2026 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर केसरबाग ब्रिज के नीचे देवेंद्र नगर क्षेत्र में कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान दोपहिया वाहन क्रमांक एमपी-09-जेडएफ-8837 (काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल) को रोकने का प्रयास किया गया। वाहन चालक द्वारा भागने का प्रयास किया गया

किंतु मोटरसाइकिल असंतुलित होकर गिर गई। आरोपी वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

मौके पर वाहन की तलाशी लेने पर तीन बोरियों में 374 पाव देशी प्लेन मदिरा (67.32 बल्क लीटर) तथा एक थैली में 12 पाव मसाला मदिरा (2.16 बल्क लीटर) बरामद हुई। इस प्रकार कुल 69.48 बल्क लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई, जिसका अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था। जब्त मदिरा एवं वाहन को विधिवत कब्जे में लेकर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में संलिप्त बाल आरोपी को अभिरक्षा में लेकर बाल न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे बाल सुधार गृह भेजने के आदेश दिए गए।

पूछताछ के दौरान बाल आरोपी द्वारा करण, अंकित एवं लोकू सहित अन्य व्यक्तियों के नाम बताए गए हैं। प्रकरण में विस्तृत विवेचना जारी है तथा अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। जब्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित बाजार मूल्य एक लाख 19 हजार 708 रुपये है।

# कपड़े बदलकर बुलेट चुराने वाला चोर पकड़ा, हर वारदात से पहले बदलता था भेष, 50 लाख की 14 बाइक बरामद

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

जिले की तुकोगंज पुलिस ने भेष बदलकर वाहन चोरी करने वाले एक बेहद चालाक अंतरराज्यीय चोर को दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 50 लाख रुपये कीमत की 14 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनमें 11 महंगी बुलेट शामिल हैं। आरोपी की पहचान राजस्थान के झालावाड़ निवासी कन्हैया (40) के रूप में हुई है, जो फिलहाल इंदौर के सुखलिया इलाके में रह रहा था। डीसीपी अभिषेक रंजन ने बताया कि शुक्रवार रात बास्केटबॉल ग्राउंड के सामने गश्त के दौरान संदिग्ध हालत में बुलेट पर बैठे कन्हैया को घेराबंदी करके पकड़ा गया। जब ई-रक्षक ऐप के जरिए गाड़ी के इंजन और चेसिस नंबर की जांच की गई, तो उस पर लगी नंबर प्लेट फर्जी निकली। यह बुलेट 31 मई की रात '56 दुकान' इलाके से चोरी हुई थी।

**रेकी के बाद बदल लेता था कपड़े-** पुलिस पूछताछ में आरोपी के काम करने के बेहद अजीब और शातिर तरीके का खुलासा हुआ है। कन्हैया हमेशा अपने साथ अलग-अलग चाबियों का एक गुच्छा रखता था और सुनसान या भीड़भाड़ वाले इलाकों में खड़ी बुलेट की रेकी करता था।

**इन इलाकों में की चोरी, आगर मालवा में बेचीं बाइक-** कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपी ने इंदौर के हीरानगर, विजय नगर, एमजी रोड, संयोगितागंज, खजराना और एरोड्रम सहित उज्जैन से भी गाड़ियां चुराने की बात कबूली है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर विमल अपार्टमेंट, डॉल्फिन अस्पताल की पार्किंग और वल्लभ नगर मंदिर के पास से चोरी की गाड़ियां बरामद की हैं। आरोपी ने चोरी की दो बुलेट आगर मालवा जिले के सोयत कला में बेची थीं, जिन्हें वहां की पुलिस ने पहले ही जब्त कर रखा है।

**पुराना आपराधिक रिकॉर्ड-** जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी कन्हैया का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ पहले से दो गंभीर मामले दर्ज हैं और वह राजस्थान के कोटा में चेन स्नेचिंग के एक मामले में जेल की हवा भी खा चुका है। फिलहाल पुलिस उससे शहर में हुई कुछ अन्य चोरियों के बारे में पूछताछ कर रही है। मास्टर चाबी से लॉक खुलने की संभावना दिखते ही वह तुरंत वारदात नहीं करता था। पकड़े जाने के डर से वह पहले वहां से हट जाता और अपने कपड़े बदल लेता था। भेष बदलने के बाद वह वापस आता और मौका मिलते ही गाड़ी लेकर फरार हो जाता था। पुलिस को चकमा देने के लिए वह तुरंत गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगा देता था। आरोपी के पास से पुलिस ने 12 चाबियां, फर्जी नंबर प्लेट और वारदात में इस्तेमाल होने वाला काला हेलमेट बरामद किया है।

### शराब दुकान पर दबंगई का आरोप!

# ओवर रेटिंग पर सवाल उठाया तो कर्मचारियों ने पीटा

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के स्कीम नंबर 54 स्थित एक शराब दुकान पर ओवर रेटिंग का विरोध करने पर विवाद हो गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आरोप है कि निर्धारित कीमत से अधिक राशि लेने का विरोध करने पर दुकान कर्मचारियों ने ग्राहक के साथ मारपीट की।वीडियो में दुकान के बाहर हंगामा और अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दे रहा है। मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, घटना की आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। पुलिस व आबकारी विभाग को शिकायत मिलने पर जांच की जा सकती है।

# भेरूघाट में चलती कार में लगी आग

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

भेरूघाट स्थित भगवती ढाबे के पास रविवार रात एक चलती कार में अचानक आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार क्रमांक MP13CE3547 की बैटरी से पहले धुआं निकलना शुरू हुआ, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई। कुछ ही मिनटों में पूरी कार आग की चपेट में आ गई।घटना की सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। तब तक कार काफी हद तक जल चुकी थी। राहत की बात यह रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जांच में बैटरी में तकनीकी खराबी के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर ( म.प्र. ) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर ( म.प्र. ) से प्रकाशित । संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948